निर्यात को संभालने की जरूरत

- भारत के माल निर्यात में लगातार तीसरे महीने गिरावट आई है। इसका कारण तेल की कीमतों में गिरावट बताया जा रहा है।
- गैर-तेल निर्यात 14.5% बढ़ा है।
- तेल की घटती कीमत का प्रभाव निर्यात के साथ-साथ आयात पर भी पड़ा है।
- ऊर्जा बाजार अमेरिकी टैरिफ की धमकियों से प्रभावित हो गया है।
- भारत के इलेक्ट्रॉनिक, अन्य इंजीनियरिंग सामान और फार्मास्यूटिकल्स में निर्यात अभी भी तेज है।
- विनिर्माण निर्यात की हालिया गति को बनाए रखने के लिए अधिक विविधीकरण की आवश्यकता है। इसके लिए घरेलू विनिर्माण में निवेश बढ़ाना होगा। इलेक्ट्रॉनिक जैसे क्षेत्रों में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव स्कीम को ठीक किया जाना चाहिए।
- व्यापार विखंडन यानि विभिन्न वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं और उत्पादकों को शामिल करने से निर्यात को नुकसान पहुंच सकता है। इस कारण से आयात शुल्क कम किए बिना ही भारत को रणनीतिक होना चाहिए।

'द इकॉनॉमिक टाइम्स' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 19 फरवरी, 2025